



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 237]
No. 237]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जून 3, 1994/ज्येष्ठ 13, 1916
NEW DELHI, FRIDAY, JUNE 3, 1994/JYAISTHA 13, 1916

वित्त मंत्रालय
(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 3 जून, 1994

सं. 126-सीमाशुल्क/94

सा.का. नि. 488(प्र).—केंद्रीय सरकार, सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोक हित में ऐसा करना आवश्यक है, इस अधिसूचना के उपाबंध 1 में विनिर्दिष्ट माल को (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् माल कहा गया है) जब उनका भारत के बाहर निर्यात के लिए उपाबंध 2 में विनिर्दिष्ट वस्तुओं के उत्पादन या विनिर्माण के लिए या भारत सरकार के पूर्ववर्ती उद्योग और नागरिक पूति संजालय (औद्योगिक विकास विभाग) की अधिसूचना सं. का. प्रा. 163(प्र) आर.एल.आई. यू. 10(2)76, तारीख 3 मार्च, 1976 द्वारा नियुक्त शतप्रतिशत निर्यातोन्युत्पन्न उपक्रमों के लिए अनुमोदन बोर्ड द्वारा अनुमोदित शतप्रतिशत निर्यातोन्युत्पन्न उपक्रमों द्वारा भारत के बाहर निर्यात के लिए उपाबंध 2 में विनिर्दिष्ट उक्त वस्तुओं के उत्पादन, विनिर्माण या पैकेजिंग के संबंध में (जिसे इसमें इसके पश्चात् विनिर्दिष्ट प्रयोजन कहा गया है) उपयोग किए जाने के लिए आयात किया जाए, सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की पहली अनुसूची के अधीन उन पर उद्घाटनीय संपूर्ण सीमा-शुल्क और द्वितीय उल्लिखित अधिनियम की धारा 3 के अधीन उन पर उद्घाटनीय प्रतिरिक्त शुल्क, यदि कोई है, से निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए छूट देती है, अर्थात्:—

(1) आयातकर्ता को उक्त माल के आयात के लिए आवश्यक अनुमति प्रदान की गई हो;

(2) आयातकर्ता उक्त माल का आयात करने के समय, विकास आयुक्त से इस आयात का एक प्रमाणपत्र सीमाशुल्क सहायक कलक्टर को प्रस्तुत करता है कि आयातकर्ता ने, ऐसे प्रेषण और ऐसी राशि के लिए, जो विनिर्दिष्ट की जाए:—

(क) उक्त माल को अपने एकक में लाने और उनका विनिर्दिष्ट प्रयोजन के लिए उपयोग करने; और

(ख) उक्त माल का या एकक में उत्पादित, विनिर्मित या पैक की गई वस्तुओं का या ऐसे उत्पादन, विनिर्माण या पैकेजिंग से उत्पन्न होने वाले अपशिष्ट, स्कrap या अवशिष्ट का, ऐसी रीति से, यदि कोई हो आयात-निर्यात नीति और इस अधिसूचना में विहित की जाए, व्यवहार करने के लिए स्वयं को बाधक करते हुए एक बंधपत्र निष्पादित कर दिया है;

(3) आयातकर्ता, उक्त माल का आयात करने के समय, सीमा शुल्क सहायक कलक्टर के समक्ष स्वयं को इस बात के लिए, बाधक करते हुए एक बंधपत्र निष्पादित करता है कि वह उसके एकक पर अधिकांशता रखने वाले केंद्रीय उत्पाद-शुल्क सहायक कलक्टर से एकक में उक्त माल की प्राप्ति और माल को इस प्रयोजन के लिए विहित अभिलेखों में दर्ज किए जाने को प्रमाणित करते हुए एक प्रमाणपत्र प्रस्तुत करेगा;

(4) आयातकर्ता माल का उपयोग वस्तुओं के उत्पादन, विनिर्माण या पैकेजिंग के लिए करता है और शत प्रतिशत या ऐसे अन्य प्रतिशत का, जो उक्त अनुमोदन बोर्ड नियत करें, 10 वर्ष की या ऐसी बड़ाई गई अवधि के लिए, जो उक्त बोर्ड द्वारा विनिर्दिष्ट की जाए, भारत से बाहर निर्यात करता है ;

(5) आयातकर्ता उक्त माल के आयात उपभोग और उपयोग का नया उद्देश्य द्वारा किए गए निर्यात का समुचित लेखा रखेगा, और ऐसा लेखा कालिकतः विकास आयुक्त को ऐसे प्रारूप में और ऐसी रीति में, जो उक्त विकास आयुक्त द्वारा अधिकृत की जाए, प्रस्तुत करेगा ;

(6) सीमाशुल्क सहायक कलक्टर, ऐसी शर्तों और परिस्थितियों को प्रयोजन रखेगा जो उनके द्वारा अधिरोपित की जाए, और आयात-निर्यात नीति के प्राव्यों के प्रयोजन रखे हुए—

- (क) किसी एकक को उक्त माल का पुनः निर्यात करने की अनुज्ञा दे सकेगा ;
- (ख) उक्त माल या एकक में उत्पादित, विनिर्मित या पैक किए गए माल को शुल्क का संदाय किए बिना अस्थायी रूप से मरम्मत प्रसंस्करण, परीक्षण या प्रदर्शन के लिए बाहर ले जाने और उनके पश्चात् एकक में वापस लाने की अनुज्ञा दे सकेगा ; और
- (ग) उक्त माल या उत्पादित, विनिर्मित या पैक किए गए माल का, उन एकक से किसी अन्य शत प्रतिशत निर्यातोन्मुख उपक्रम या किसी निर्यात प्रसंस्करण जोन या मुक्त व्यापार जोन में किसी एकक को शुल्क का संदाय किए बिना प्रदाय/प्रंतरण करने की अनुज्ञा दे सकेगा ।

2. इस अधिसूचना में किसी अन्य उपबंधों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, जहां सीमाशुल्क सहायक कलक्टर के समाधानप्रद रूप में यह दर्शित किया गया है कि उक्त एकक को उक्त माल में से किसी को भारत में किसी अन्य स्थान को ले जाने के लिए निर्यात-आयात नीति के अनुसार विकास आयुक्त या अनुमोदन बोर्ड द्वारा अनुज्ञात किया गया है, वहां—

- (क) पूंजी माल और कार्यालय उपस्कर की ऐसी निवासी ऐसे माल पर उद्ग्रहणीय सीमाशुल्क के बराबर रकम का उनके अवशेषित मूल्य पर और ऐसे शुल्क के संदाय की तारीख को प्रवृत्त वर से संदाय किए जाने पर अनुज्ञात की जा सकेगी ;
- (ख) खंड (क) में विनिर्दिष्ट माल से भिन्न माल (जिनके अंतर्गत बार-बार उपयोग के लिए उपयुक्त आधान भी हैं) की ऐसी निकासी, सीमा शुल्क का आयात के समय मूल्य पर और ऐसे सीमाशुल्क के संदाय की तारीख को प्रवृत्त वर से संदाय किए जाने पर अनुज्ञात की जा सकेगी ;
- (ग) उपयोग की गई पैकिंग सामग्री जैसे कि बार बार उपयोग के लिए अनुपयुक्त गत्ते के डिब्बों, पालिथीन थैलों की ऐसी निकासी सीमाशुल्क का संदाय किए बिना अनुज्ञात की जा सकेगी ;

परन्तु आयातकर्ता सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की पहली अनुसूची के शीर्ष 98.01 के अंतर्गत आने वाले माल को लागू छूट का, या निर्यात और आयात नीति या किन्हीं अन्य निर्यात संवर्धन स्कीमों के निबंधनों के अनुसार निर्यात संवर्धन पूंजी माल (नि.सं.पू. मा) स्कीम के अधीन माल को लागू छूट का उपयोग करने का पात्र नहीं होगा।

स्पष्टीकरण —खंड (क) के अंतर्गत आने वाले माल की बाबत अवश्यण एकक के वाणिज्यिक उत्पादन के प्रारंभ की तारीख से या जहां ऐसे माल का आयात, ऐसे प्रारंभ के पश्चात् किया गया है वहां उस तारीख से, जब ऐसे माल को वाणिज्यिक उत्पादन के लिए उपयोग में लाया गया है, शुल्क के संदाय की तारीख तक की अवधि के लिए अनुज्ञात किया जाएगा।

3. इस अधिसूचना में किसी बात के होते हुए भी, इसमें अंतर्निहित छूट उक्त माल को भी लागू होगी जिनका भारत में आयात किए जाने पर वस्तुओं के उत्पादन, विनिर्माण या पैकेजिंग के प्रयोजनों के लिए उपयोग किया जाता और ऐसी वस्तुओं (जिनके अंतर्गत ऐसी वस्तुओं के उत्पादन, विनिर्माण या पैकेजिंग के दौरान उत्पन्न होने वाले प्रतिक्षेपित अपशिष्ट और स्कैप सामग्री भी है) का, यद्यपि उनका भारत से बाहर निर्यात नहीं किया जाता है, आयात-निर्यात नीति के अधीन और उसके अनुसार तथा ऐसी मात्रा में और ऐसी अन्य परिसमाओं और शर्तों के अधीन रहते हुए, जो विकास आयुक्त द्वारा इस निमित्त विनिर्दिष्ट की जाए, केन्द्रीय उत्पादशुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 3 के अधीन उन पर उद्ग्रहणीय उत्पाद शुल्क का संदाय किए जाने पर या जहां ऐसी वस्तुएं (जिनके अंतर्गत प्रतिक्षेपित, अपशिष्ट और स्कैप सामग्री भी है) उत्पाद शुल्क नहीं हैं, वहां ऐसी वस्तुओं के उत्पादन, विनिर्माण या पैकेजिंग के प्रयोजन के लिए उपयोग किए गए उक्त माल पर सीमाशुल्क का, ऐसी वस्तुओं पर, मानो उनका उस रूप में आयात किया गया हो, उद्ग्रहणीय सीमाशुल्क के बराबर रकम में संदाय किए जाने पर भारत में विक्रय किए जाने के लिए अनुज्ञात किया जाता है।

स्पष्टीकरण —इस अधिसूचना के प्रयोजनों के लिए “आयात-निर्यात नीति” से वाणिज्य मंत्रालय की लोक सूचना सं. 1-आई टी सी (पी एन) 92-97 तारीख 31-3-1992 के अधीन प्रकाशित समय समय पर यथासंशोधित आयात-निर्यात नीति अप्रैल, 1992, मार्च 1997 अभिप्रेत है।

उपबोध 1

1. पादप-गृह उपस्कर, उरसाधन, तापित स्टिंग टेबल, प्रजनन धनित्र।
2. गोरो या डाँटे या, मोर, बान्गूर, कश्य, जन्कॉर, गाँठदार मूल, जड़, कटिंग, सभी प्रकार के कजम, टिगु मंत्र्यंक सामग्री, और बुझाई या रोपण के लिए उपयोग की गई अन्य कायिक रूप से प्रवर्धित सामग्री।
3. घोड़ों से निम्न जीवित पशु, जैसे कि प्रजनन या पालने के प्रयोजनों के लिए उपयोग किए गए शुद्ध बंशकृत पशुवन (ओ ब्रेड पेटेंट पशुवन और पेटेंट पशुवन से निम्न हे)।
4. घोड़ा निडिया, जैसे कि पोड मात्र (जिनके अंतर्गत पोड जिद्धे भी हैं) (वाहे वह संयोजित हो या नहीं), पलीटिड/कृत्रिमता, राकबूल, कोमो पोड, हाईड्रोकार्ब, फोम आधारित मिश्रित और अन्य कृषि साधन।
5. कार्यान्वित उपस्कर जो शतप्रतिशत निर्वाही-मुक्त एकक द्वारा आयात के लिए प्रयोज्य हैं।
6. पूर्व और पश्चिम फलन उपचार, के लिए उर्वरक और रसायन, जैसे कि माइक्रो पोषक, पावन और विकास रेगुलेटर तथा पादप पोषण, कोटन/पेक, फंकुदनाशी, अवनृणनाशी, शाकनाशी के लिए उपयोग किए गए अन्य कार्यान्वित और अकार्यान्वित पदार्थ, तथा इसी प्रकार की चीजें।
7. पशुखाद्य, जैसे कि पशुखाद्य और कुकुरा खाद्य।
8. पशुविकल्पा औषधियाँ, जिनके अंतर्गत वैक्सीन भी हैं।
9. वैकेंजरा सावग्री, जिनके अंतर्गत वैकेंजरा के लिए मसोतरी और उपस्कर भी हैं।

उपबोध 2

1. अध्याय 1 के अंतर्गत आने वाले जीवित पशु।
2. शीर्ष 04.07 के छिन्नको सहित पक्षी के अंडे (ताजे)।
3. अध्याय 6 के जीवित वृक्ष और अन्य पौधे, शल्ककंद, जड़ें और इसी प्रकार की चीजें, काटे गए फूल और अलंकृत पत्र समूह।
4. शीर्ष 7.01 से 7.09 को ताजी बनस्पतियाँ, शीर्ष 7.12 और 7.13 को सातून बिना कटो हुई धूप में सुखाई हुई बनस्पतियाँ शीर्ष 7.14 को ताजी और बिना कटो हुई धूप में सुखाई हुई जड़े और कंद।
5. शीर्ष 8.01 से 8.10 के ताजे और बिना कटे हुए/तृण में सुखाए गए खाद्य फल और द्रुकल।
6. शीर्ष 12.11 के ताजे या धूप में सुखाए गए पीसे और पीछों के के भाग।
7. शीर्ष 50.02 का रेशम कोट कोकूम और शीर्ष 50.02 का कच्चा रेशम।

टिप्पणः—उपबोध में निर्दिष्ट अध्याय और शीर्ष वे हैं जो सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 (1975 का 51) की पहली अनुसूची में हैं।

[फा.सं. 305/26/04-एफ०टी०टी०]

ज० पी० सिंह, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 3rd June, 1994

NO. 126-CUSTOMS/94

G.S.R. 488(E).—In exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of Section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts goods specified in Annexure-I to this notification (hereinafter referred to as the goods), when imported into India, for the production or manufacture of articles specified in Annexure II for export out of India or for being used in connection with the production, manufacture or packaging of the said articles specified in Annexure-II for export out of India (hereinafter referred to as the specified purpose) by hundred per cent export oriented undertakings approved by the Board of Approvals for hundred per cent Export Oriented Undertakings, appointed by the notification of the Government of India in the former Ministry of Industry and Civil Supplies (Department of Industrial Development) No. S.O. 163(E)/RLIU/10(2)76, dated the 3rd March, 1976, from the whole of the duty of customs leviable thereon under the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975) and the additional duty, if any, leviable thereon under Section 3 of the second mentioned Act, subject to the following conditions, namely :—

- (1) the importer has been granted the necessary licence for the import of the said goods;
- (2) the importer, at the time of import of the said goods, produces to the Assistant Collector of Customs a certificate from the Development Commissioner to the effect that the importer has executed a bond in such form and for such sum as may be prescribed binding himself—

- (a) to bring the said goods into his unit and to use them for the specified purpose; and

- (b) to dispose of the said goods or the articles produced, manufactured or packaged in the unit or the waste, scrap or remnants arising out of such production, manufacture or packaging in the manner as may, if any, be prescribed in the Export Import Policy and in this notification;
- (3) the importer, at the time of import of the said goods, executes a bond with the Assistant Collector of Customs binding himself to produce a certificate from the Assistant Collector of Central Excise having jurisdiction over his unit certifying the receipt of the said goods in the unit and the goods having been entered in the records prescribed for this purpose;
- (4) the importer uses the goods for the production, manufacture or packaging of articles and exports out of India hundred per cent or such other percentage, as may be fixed by the said Board of Approvals for a period of 10 years or such extended period as may be specified by the said Board;
- (5) the importer shall maintain a proper account of import, consumption and utilisation of the said goods and of exports made by him, and shall submit such account periodically to the Development Commissioner in such form and in such manner as may be laid down by the said Development Commissioner ;
- (6) the Assistant Collector of Customs may, subject to such conditions and limitations as may be imposed by him and subject to the provisions of the Export Import Policy:—
 - (a) allow a unit to re-export the said goods ;
 - (b) permit the said goods or goods produced, manufactured or packaged in the unit to be taken out temporarily without payment of duty for repairs, processing, testing or display and to be returned to the unit thereafter ; and
 - (c) permit the said goods or goods produced, manufactured or packaged to be supplied/transferred without payment of duty from the unit to another hundred percent Export Oriented Undertaking or to a unit in an Export Processing Zone or a Free Trade Zone.

2. Without prejudice to any other provisions contained in this notification, where it is shown to the satisfaction of the Assistant Collector of Customs that the said unit has been allowed by the Development Commissioner or the Board of Approvals in accordance with the Export Import Policy to clear any of the said goods for being taken to any other place in India,—

- (a) such clearance of capital goods and office equipments may be allowed on payment of an amount equal to the customs duty leviable on such goods on the depreciated value thereof and at the rate in force on the date of payment of such duty ;
- (b) such clearance of goods (including containers suitable for repeated use) other than those specified in clause (a), may be allowed on payment of customs duty on the value at the time of import and at rates in force on the date of payment of such customs duty ;
- (c) such clearance of used packing materials such as cardboard boxes, polythene bags of a kind unsuitable for repeated use may be allowed without payment of any customs duty.

Provided that the importer shall not be eligible to avail of the exemption applicable to goods falling under heading 98.01 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (59 of 1975), or the exemption available to goods imported under the Export Promotion Capital Goods (RPCG) Scheme in terms of the Export and Import Policy or any other Export Promotion Schemes.

Explanation.—The depreciation in respect of goods covered by clause (a) shall be allowed for the period from the date of commencement of commercial production of the unit or where such goods have been imported after such commencement from the date such goods have come into use for commercial production, upto the date of payment of duty.

3. Notwithstanding anything contained in this notification the exemption contained herein shall also apply to the said goods which on importation into India are used for the purposes of production, manufacture or packaging of articles and such articles (including rejects, waste and scrap material arising in the course of production, manufacture or packaging of such articles) even if not exported out of India are allowed to be sold in India under and in accordance with the Export-Import Policy and in such quantity and subject to such other limitations and conditions as may be specified in this behalf by the Development Commissioner, on payment of duty of excise

leviable thereon under section 3 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944) or where such articles (including rejects, waste and scrap material) are not excisable, on payment of customs duty on the said goods used for the purpose of production, manufacture or packaging of such articles in an amount equal to the customs duty leviable on such articles as if imported as such.

Explanation.—For the purposes of this notification, "Export-Import Policy" mean the Export-Import Policy, April, 1992—March, 1997, published under the Ministry of Commerce Public Notice No. 1-ITC(PN)92-97, dated 31-3-1992 as amended from time to time.

ANNEXURE-I

1. Green house equipment, accessories, heated rooting tables, propagation trays, seeding machines.
2. Plants or parts thereof, seeds, saplings, tubers, bulbs, Rhizomes, roots, cuttings, all types of grafts, tissue culture material, and other vegetatively propagated material utilised for sowing or planting.
3. Live animals such as pure live stocks (other than grand parent stock and parent stock), used for breeding or rearing purposes, other than horses.
4. Growing media such as Peat Moss (including peat litres) (whether or not agglomerated), Perlite/Vermiculite, Rockwool, Cocoa peat, Hydrocorn, Foam based medium and other cultivation medium.
5. Office equipments as permissible for import by the 100 per cent export oriented unit.
6. Fertilizers and chemicals for pre and post harvest treatments such as micro nutrients plant and growth regulators

and other organic and inorganic substances used for plant nutrition, insecticides, fungicides, weedicides, herbicides, and the like.

7. Animal feed such as cattle feed and poultry feed.
8. Veterinary medicines including vaccines.
9. Packaging materials including machinery and equipment for packaging.

ANNEXURE-II

1. Live animals falling under Chapter-1.
2. Bird's eggs (fresh) in shells of Heading 04.07.
3. Live trees and other plants; bulbs, roots and the like, cut flowers and ornamental foliage of Chapter-6.
4. Fresh vegetables of Headings 7.01 to 7.09; whole uncut sun dried vegetables of Headings 7.12 and 7.13; Fresh and uncut/sun dried roots and tubers of Heading 7.14.
5. Fresh and uncut/sun dried edible fruits and nuts of Headings 8.01 to 8.10.
6. Fresh or sun dried plants and parts of plants of heading 12.11.
7. Silk worm cocoons of Heading 50.01 and raw silk of heading 50.02.

Note.—The Chapters and Headings referred to in the Annexure are those of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975).

[F. No. 305/26/94-FTT]

J. P. SINGH, Under Secy.

